हिंदी विवि ने सामाजिक विकास के लिए पांच गांवों को अपनाया

वर्धा 13 अक्टूबर, 2015; भारत सरकार के 'उन्नत भारत अभियान' के तहत महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के फ्यूजी गुरुजी समाजकार्य केंद्र द्वारा वर्धा जिले के पाँच गाँवों- तामसवड़ा, गणेशपुर, बोरगाँव, चिकनी तथा जामणी में क्रियात्मक शोध प्रारंभ कर सामाजिक विकास का अनूठा कार्यक्रम शुरू किया गया है।

गांवों के विकास कार्य का जायजा लेने के लिए समाज कार्य के विधार्थियों द्वारा विश्वविद्यालय परिसर से रैली निकाली गई। रैली को विश्वविद्यालय के कुलपति एवं प्रतिकुलपति ने झंडा दिखाकर गांधी हिल से रवाना किया। इस दौरान विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मी, छात्र एवं अधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे। दो समूहों में विद्यार्थी एवं शोधार्थी का समूह गणेशपुर एवं तामसवड़ा के लिए रवाना हुआ। दोनों गाँवों में स्कूली बच्चों तथा ग्रामीणों के साथ रैली निकली गई। रैली में स्वच्छता जागरूकता के लिए नारे लगाए गए। सामूहिक सफाई का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।। तामसवड़ा में आयोजित जनजागृति कार्यक्रम में केंद्र के निदेशक प्रो.मनोज कुमार, विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.अनिल के. राय तथा केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ.मिथिलेश कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। स्कूल के अध्यापक द्वारा कार्यक्रम का संचालन किया गया। वक्ताओं ने गांधी के विचारों के अलावा स्वास्थ्य एवं सफाई के अंतर्संबंधों पर प्रकाश डाला। तामसवड़ा में एम.एस.डब्ल्यू. एवं बी.एस.डब्ल्यू. के सभी

छात्र एवं छात्राएँ उपस्थित थे जिसका नेतृत्व केंद्र के सहायक प्रोफेसर डॉ. शिव सिंह बघेल ने किया। गौरतलब है कि विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में तामसवड़ा में जिला रूग्णालय तथा सोशल सिस्टम ऑफ लाइवलीहुड के संयुक्ततत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया।

गणेशपुर गाँव में समाजकार्य के एम.फिल. शोधार्थियों ने केंद्र के प्राध्यापक आमोद गुर्जर के नेतृत्व में रैली, सफाई कार्यक्रम का आयोजन ग्रामीणों के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर सामूहिक सफाई एवं श्रमदान के माध्यम से ग्रामीण एकता को आगे बढ़ाने हेतु नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन दोनों गाँवों में किया गया। केंद्र के निदेशक प्रो.मनोज कुमार ने कहा कि, आज का विकास मॉडल गैर-बरीबरी को बढ़ावा देता है। समतामूलक समाज निर्माण के लिए सबका विकास जरूरी है। इसी तर्ज पर गांवों के सामाजिक-आर्थिक तथा शैक्षणिक विकास में आ रहे बाधक तत्वों की पहचान कर विकास के नए विकल्पों की तलाश करने के लिए हमारे विद्यार्थी संकल्पित हैं। यही कारण है कि प्रथम चरण में तामसवड़ा, गणेशपुर और बोरगाँव के विकास मानदंडों के अंतराल को ज्ञात कर लिया गया है। समाज कार्य के एम.फिल. शोधार्थियों द्वारा चिकनी तथा जामणी में सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है।